परिवीक्षाधीन उपजिलाध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी गामड़ को सर्वश्रेष्ठ अधिकारी के लिए महानिदेशक शील्ड सम्मान

❑ प्रो. प्रमोद चतुर्वेदी

श्रीमती लक्ष्मी गामड़ को सम्मानित करते हुए डॉ. सन्दीप खन्ना, महानिदेशक, आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन अकादमी भोपाल, साथ में अकादमी के संचालक श्री एम.के. वार्ष्णेय

मध्यप्रदेश की शीर्षस्थ प्रशिक्षण संस्था आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी, भोपाल में हाल ही में मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य प्रशासनिक सेवा में चयनित वर्ष 2008 बैच के 36 उपजिलाधीशों का परिचयात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 18 सप्ताह की अवधि का था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राज्य प्रशासनिक सेवा के इन भावी प्रशासकीय अधिकारियों को शासन के विभिन्न नियमों एवं अधिनियमों का ज्ञान कराने के साथ-साथ प्रशासकीय कौशल को विकसित करना भी होता है।

इस वर्ष से महानिदेशक एवं संचालक, प्रशासन अकादमी की पहल पर प्रशिक्षु अधिकारियों में प्रशिक्षण की गंभीरता बढ़ाने, प्रशिक्षण के दौरान अनुशासन तथा सीखने की भावना को विकसित करने एवं प्रशिक्षु अधिकारियों के मध्य स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करने के दृष्टिकोण से प्रशासन अकादमी के "बोर्ड ऑफ गवर्नर्स" ने सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु अधिकारी को महानिदेशक शील्ड से सम्मानित करने का निर्णय लिया। प्रशिक्षण के उपरान्त इस प्रकार के सम्मान भावी प्रशासकीय अधिकारियों एवं प्रशासकों को रुचिपूर्वक प्रशिक्षण लेने तथा सेवा के लिए अनुकरणीय कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं।

इस वर्ष प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे इन 36 प्रशिक्षु उपजिलाधीशों में महानिदेशक शील्ड को प्राप्त करने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा थी, क्योंकि सभी प्रशिक्षु अधिकारियों का प्रशिक्षण में प्रदर्शन बहुत अच्छा था, लेकिन प्रशिक्षण सत्रों में सर्वाधिक अनुशासित तथा नियमित उपस्थिति के साथ खेलकूद तथा संगीत में विशेष रुचि रखने वाली श्रीमती लक्ष्मी गामड़ को इस शील्ड के लिए चुना गया। उपजिलाध्यक्षों के परिचयात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रशासन अकादमी के महानिदेशक डॉ. संदीप खन्ना द्वारा श्रीमती लक्ष्मी गामड़ को महानिदेशक शील्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अकादमी के संचालक श्री मुक्तेश वार्ष्णेय उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश के सुदूर आदिवासी अंचल झाबुआ जिले की पेटलावद तहसील की निवासी श्रीमती लक्ष्मी गामड़ अनुसूचित जनजाति परिवार की सदस्य हैं। इन्होंने वर्ष 1994 में कला संकाय में स्नातक की उपाधि प्राप्त की तथा एक निम्न श्रेणी शिक्षक के रूप में अपनी शासकीय सेवा वर्ष 1995 में प्रारंभ की। उन्होंने सेवा में रहते हुए वर्ष 2005 में अर्थशास्त्र विषय से स्नातकोत्तर की उपाधि भी प्राप्त कर ली। बचपन से ही श्रीमती लक्ष्मी गामड़ की इच्छा प्रशासनिक अधिकारी के रूप में कार्य करने की थी। श्रीमती गामड़ लगातार राज्य प्रशासनिक सेवा में चयन हेतु कड़ी मेहनत के साथ तैयारी करती रहीं और अन्ततः वर्ष 2008 में 34वीं रेंक के साथ उपजिलाधीश के पद पर चयनित हुईं।

उल्लेखनीय है कि श्रीमती गामड़ ने अपनी अधिकांश शिक्षा एवं उपलब्धियां विवाह के उपरांत पारिवारिक दायित्वों को निर्वहन करते हुए अर्जित की हैं। इस प्रकार महानिदेशक शील्ड से सम्मानित श्रीमती लक्ष्मी गामड़ का जीवनसंघर्ष प्रेरणास्पद है।

श्रीमती लक्ष्मी गामड़ प्रशिक्षण के उपरांत वर्तमान में उपजिलाधीश के पद पर मंदसौर जिले में पदस्थ हैं।

(लेखक प्रशासन अकादमी में रीडर प्रबंधन हैं।)

❖